

P-261

Total Pages : 4

Roll No.

MAPS-601

Indian Political Thought-I

भारतीय राजनीतिक चिंतन-I

MA Political Science (MAPS)

3rd Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours]

Max. Marks : 70

Note : This paper is of Seventy (70) marks divided into two (02) Sections A and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein. Candidates should limit their answer to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

SECTION-A/(खण्ड-क)

(Long Answer Type Questions)/(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'A' contains Five (05) long answer type questions of Nineteen (19) marks each. Learners are required to answer any Two (02) questions only.

(2×19=38)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. While describing the social thoughts of Swami Dayanand Saraswati, evaluate his thoughts.

स्वामी दयानन्द सरस्वती के सामाजिक विचारों का वर्णन करते हुए उनके विचारों का मूल्यांकन करें।

2. In the light of the statement "Tilak was the father of Indian unrest", review the contribution of Tilak as a Extremist thinker.

“तिलक भारतीय अशान्ति के जनक थे”। इस कथन के आलोक में एक उग्रवादी विचारक के रूप में तिलक के योगदान की समीक्षा कीजिए।

3. Describing the religious views of Raja Ram Mohan Roy, evaluate the social reform work done by him.

राजा राममोहन राय के धार्मिक विचारों का वर्णन करते हुए उनके द्वारा किए गए समाज सुधार के कार्यों का मूल्यांकन कीजिए।

4. Explaining the relevance of Kautilya as a political thinker, mention the major political ideas of Kautilya.

एक राजनीतिक विचारक के रूप में कौटिल्य की प्रासंगिकता को स्पष्ट करते हुए कौटिल्य के प्रमुख राजनीतिक विचारों का उल्लेख कीजिए।

5. Critically examine the political and social ideas of Manu.

मनु के राजनीति एवं सामाजिक विचारों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

SECTION-B/(खण्ड-ख)

(Short Answer Type Questions)/(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'B' contains Eight (08) short answer type questions of Eight (08) marks each. Learners are required to answer any Four (04) questions only. (4×8=32)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Describe the main native (Indian) sources of ancient Indian thought.

प्राचीन भारत चिन्तन के प्रमुख देशी (भारतीय) स्रोतों का वर्णन कीजिए।

2. What is ancient Indian thought, how is it different from western thought? Explain.

प्राचीन भारतीय चिन्तन क्या है? यह किस प्रकार पाश्चात्य चिन्तन से भिन्न है? स्पष्ट कीजिए।

3. Describe the theory of origin of state propounded by Manu.
मनु द्वारा प्रतिपादित राज्य की उत्पत्ति के सिद्धांत का वर्णन कीजिए।
4. What is Mandal theory of Kautilya? Discuss.
कौटिल्य का मण्डल सिद्धांत क्या है? विवेचना कीजिए।
5. Review the ideas of Raja Ram Mohan Roy regarding the freedom of the press.
प्रेस की स्वतंत्रता सम्बन्धी राजा राममोहन राय के विचारों की समीक्षा कीजिए।
6. Evaluate the educational ideas of Gopal Krishna Gokhale.
गोपाल कृष्ण गोखले के शिक्षा सम्बन्धी विचारों का मूल्यांकन कीजिए।
7. Explain Tilak's concept of Swaraj.
तिलक की स्वराज सम्बन्धी अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
8. Describe the major political ideas of Swami Dayanand Saraswati.
स्वामी दयानन्द सरस्वती के प्रमुख राजनीतिक विचारों का वर्णन कीजिए।